Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

बुनियादी कौशल और बिल्डुंग

- संप्रत्यय

BILDUNG

1 जटिल समाज जीवन के माध्यम से बुनियादी कौशल सीखने के अवसरों की मांग करते हैं

यूरोप में हमारे समाजों में अनेक चुनौतियाँ और तीव्र परिवर्तन हमें प्रौढ़ शिक्षा की भूमिका और उद्देश्यों पर पुनर्विचार करने की माँग करते हैं। इस पेपर में हमने जांच की है कि कैसे "बिल्डुंग" की अवधारणा बुनियादी कौशल शिक्षा की जरूरतों और लक्ष्यों की अधिक समग्र समझ को बढ़ावा दे सकती है।

आज के जटिल समाजों में कार्य करने और फलने-फूलने के लिए हमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी कौशलों की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, सूचना और संचार चैनलों की अंतहीन मात्रा और स्रोत नए प्रकार की साक्षरता की आवश्यकता पैदा करते हैं, क्योंकि इसके लिए सूचना की सक्रिय खोज, मूल्यांकन, व्याख्या और संपादन की आवश्यकता होती है। हमें आलोचनात्मक सोच और उन तरीकों को समझने की क्षमता की भी आवश्यकता है, जिनसे हम प्रभावित हो रहे हैं और साथ ही यह भी कि हम स्वयं रूपांतरण के एजेंट के रूप में कैसे कार्य कर सकते हैं। यह सब, प्रभावित करता है कि हमें बुनियादी कौशल शिक्षा की आवश्यकता और प्रावधान को कैसे समझना चाहिए। आज के बुनियादी कौशल क्या हैं? उन्हें सीखने की जरूरत किसे है? क्या वे कुछ ऐसी चीज हैं जो या तो किसी के पास हैं या नहीं हैं?

हम बुनियादी कौशल को परिभाषित करने में जीवन कौशल दृष्टिकोण का उपयोग करने का सुझाव देते हैं। जीवन कौशल में साक्षरता क्षमताएं, डिजिटल क्षमताएं, पर्यावरणीय क्षमताएं, नागरिक क्षमताएं, व्यक्तिगत और पारस्परिक क्षमताएं, स्वास्थ्य क्षमताएं, वित्तीय क्षमताएं और संख्यात्मक क्षमताएं शामिल हैं।

पर्याप्त बुनियादी कौशल जटिल और तेजी से बदलते सूचना समाज में समावेश और भागीदारी को सक्षम बनाता है। यूरोपीय आयोग सामाजिक अधिकारों के यूरोपीय स्तंभ में - व्यक्ति के समाज में भाग लेने के अधिकार पर जोर देता है:

"हर किसी को गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा, प्रशिक्षण और आजीवन सीखने का अधिकार है जो प्रमुख दक्षताओं और बुनियादी कौशल को विकसित करता है। सभी को व्यक्तिगत निर्वाह और विकास, रोजगार, सामाजिक समावेश और सक्रिय नागरिकता के लिए प्रमुख दक्षताओं और बुनियादी कौशल की आवश्यकता होती है। (यूरोपीय आयोग, 2019)

इसे और आगे ले जाने के लिए, बुनियादी कौशल को एक अधिकार के रूप में देखा जाता है, क्योंकि जहां वे अविकसित होते हैं वहां उत्पीड़न होता है (पाउलो फ्रेयर 1970)।

यूरोपियन एसोसिएशन फॉर एजुकेशन ऑफ एडल्ट्स (ईएईए) द्वारा संचालित बिल्डुंग इरास्मस+ प्रोजेक्ट, "बिल्डुंग" की समग्र अवधारणा का उपयोग करके बुनियादी कौशल पर फिर से विचार करने में योगदान देता है। बिल्डुंग की अवधारणा, विचार-विमर्श और बुनियादी कौशल शिक्षा के अभ्यास को समृद्ध कर सकती है।

2 बुनियादी कौशल शिक्षा में बिल्डुंग-अवधारणा का योगदान

बिल्डुंग की अवधारणा चार स्तंभों पर आधारित है: हस्तांतरणीय ज्ञान, गैर-हस्तांतरणीय ज्ञान, जिम्मेदारी की भावना का विस्तार और नागरिक सशक्तिकरण। बिल्डुंग न केवल चीजों को जानना है बल्कि दुनिया को बेहतर बनाने और तदनुसार कार्य करने के लिए, कौशल और प्रेरणा होना भी है।

हमें जीवन कौशल के रूप में बुनियादी कौशल की समग्र समझ को अपनाने और जीवन भर सीखने के अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। जीवन कौशलों को संवादात्मक ढंग से पढ़ाने की आवश्यकता है जो उन्हें शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं से सीधे जोड़ता है। जलवायु परिवर्तन, डिजिटलीकरण और सामाजिक विभाजन जैसे रुझानों से आकार लेने वाली दुनिया में सूचित निर्णय लेने और कार्रवाई करने के लिए नागरिकों को कौशल से लैस करना आवश्यक है।

बिल्डुंग के विचार के साथ जीवन कौशल की समग्र समझ को मिलाकर, बुनियादी कौशल शिक्षा में निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए:

- एक समग्र दृष्टिकोण: बुनियादी कौशल की समझ को जीवन कौशल की दिशा में विस्तृत करने की आवश्यकता है।
- एक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण: प्रतिभागियों की सीखने की जरूरतें पूर्वनिर्धारित पाठ्यक्रम के बजाय शुरुआती बिंदु हैं।
- संवाद पद्धति: सीखना "टॉप-डाउन" नहीं हो सकता है, लेकिन सभी के ज्ञान को अभिस्वीकृत किया जाता है। सहकर्मी से सीखने की सुविधा प्रदान करना है। शिक्षक भी सीख रहा है।
- एक समावेशी दृष्टिकोण: हर कोई भाग ले सकता है और विभिन्न पीढ़ियों और/या पृष्ठभूमि के शिक्षार्थी शामिल होते हैं।

- एक सहभागी/नागरिक सशक्तिकरण दृष्टिकोण: शिक्षार्थियों को इस बारे में मार्गदर्शन करने की आवश्यकता है कि परिवर्तन का समर्थन कैसे करें और प्रभाव कैसे पैदा करें। आत्म-प्रभावकारिता और स्वायत्तता को मजबूत किया जाता है।

3 अनुशंसाएँ

3.1 मैक्रो स्तर पर अनुशंसाएँ

मैक्रो-स्तर पर सिफारिशों का लक्ष्य है – सीखने की अवधारणा को व्यापक बनाने और समकालीन समाज में किसे आवश्यक कौशल के रूप में समझा जाता है।

- आजीवन सीखने और गैर-औपचारिक शिक्षा को महत्व दें: तेजी से बदलते समाज में, हमें सीखने के लिए लचीले मॉडल और नई गुंजाइश की आवश्यकता है। इसे फंडिंग इंस्ट्रूमेंट्स में भी माना जाना चाहिए।
- प्रौढ़ शिक्षा लोगों को नई वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में मदद करती है। यह माना जाना चाहिए कि हमें केवल रोजगार हासिल करने के लिए सीखने की नहीं, जीवन के लिए सीखने की जरूरत है। व्यापक उद्देश्यपूर्ण, समग्र शिक्षा की अब पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है।
- किसी को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए: यह सभी सामाजिक विकास और विशेष रूप से वयस्क अधिगम और शिक्षा में एक मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए
- शिक्षा और सीखने की नीतियों की योजना बनाने में, सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों और संगठनों को शामिल करें। वे प्रौढ़ शिक्षा प्रदाताओं और शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को आवाज दे सकते हैं।
- बुनियादी कौशल सीखने के लिए गुंजाइश प्रदान करें: बुनियादी कौशल प्रशिक्षण में अधिक निवेश करें। विभिन्न लक्ष्य समूहों की आवश्यकताओं को पहचानें।

3.2 मीज़ो स्तर पर अनुशंसाएँ (एएलई संगठन, शिक्षण केंद्र...)

मीज़ो स्तर पर अनुशंसाओं का उद्देश्य लचीला शिक्षण वातावरण प्रदान करना है, सीखने की पेशकश की योजना में शिक्षार्थी समुदायों को शामिल करना और आउटरीच कार्य करने के नए तरीके खोजना।

- ऐसी गुंजाइश प्रदान करें जहां सीखने वाला समुदाय अपने विचार साझा कर सके और सीखने के संगठन से संबंधित निर्णयों में भाग ले सके। सहभागी अभ्यासों को व्यवस्थित करें जिसके माध्यम से शिक्षार्थी अपनी रुचियों, आवश्यकताओं और जिज्ञासा को व्यक्त कर सकें।
- सुनिश्चित करें कि लोग कम औपचारिक वातावरण में सीख सकें और वास्तविक जीवन के संदर्भों और स्थितियों से जुड़कर सीखने के अवसर प्रदान करें। शिक्षण अभी भी लक्ष्य-उन्मुख हो सकता है।
- वयस्कों के लिए सीखने के अवसरों के बारे में समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करें।
- अगर हम सीखने में भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं, तो हमें सीखने के प्रावधान में अधिक लचीला और रचनात्मक होना होगा। उदाहरण के लिए, वास्तविक जीवन की स्थितियों से जुड़कर सीखने का वातावरण प्रतिबद्धता को बढ़ा सकता है और विषय के प्रति शिक्षार्थियों के भावनात्मक जुड़ाव को सुगम बनाता है।
- आउटरीच कार्य में निवेश करें: सीखने की बहुत-सी ज़रूरतों वाले लोग अक्सर सीखने के अवसरों की तलाश नहीं करते हैं। हालांकि बुनियादी कौशल या जीवन कौशल में कमियां किसी की क्षमता को सीखने

और विकसित करने तथा समाज में भाग लेने के अवसरों में बाधा डालती हैं, लोग हमेशा अपने दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों और कौशल की कमी के बीच की कड़ी को नहीं समझते हैं।

- संभावित सीखने की जरूरतों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अन्य संगठनों के साथ नेटवर्क। सह-डिजाइनिंग पाठ्यक्रम सीखने के अवसरों को विकसित करने में मदद करते हैं जो शिक्षार्थी समूहों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करते हैं। साथ ही, सहयोग आगे सीखने के लिए रास्ते बना सकता है।

3.3 सूक्ष्म स्तर पर अनुशंसाएँ (प्रशिक्षक, प्रशिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम...)

सूक्ष्म स्तर पर अनुशंसाओं का उद्देश्य सीखने में शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण और विधियों को अपनाना है, साथ ही शिक्षार्थियों को उनके अपने दायरे को बढ़ाने की दिशा में, उनके सीखने के मार्ग में सशक्त बनाना है, जैसा कि बिल्डुंग दृष्टिकोण में कहा गया है। शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत विकास और पर्यावरण की जिम्मेदारी की भावना में वृद्धि करने के लिए सशक्त बनाना है।

- उन पद्धतियों का उपयोग करें जो शिक्षार्थियों को संलग्न करते हैं और क्रॉस-करीकुलर सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं, जैसे कि समस्या-आधारित शिक्षा, सहकर्मी शिक्षा और केस स्टडी।
- एक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं: शिक्षार्थियों की रुचियों और जीवन स्थितियों के लिए उन्मुक्त रहें और सीखने के कार्यक्रम को उनकी आवश्यकताओं के अनुकूल बनाने के लिए लचीलापन दिखाएं
- एक सुरक्षित वातावरण बनाएं जहां हर कोई समूह का एक महत्वपूर्ण सदस्य हो और आपसी सीखने में एक ज्ञानपूर्ण भागीदार हो। सहयोग और साझा करने की सुविधा प्रदान करके दूसरों के साथ भावनात्मक जुड़ाव जगाएं।
- संवाद को बढ़ावा देना।
- सामाजिक स्थिति या शैक्षिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, सभी समुदायों पर पुनर्विचार करने पर विचार करें। हम सभी एक-दूसरे से सीखते हैं इसलिए सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों को इकट्ठा करने की कोशिश करें।